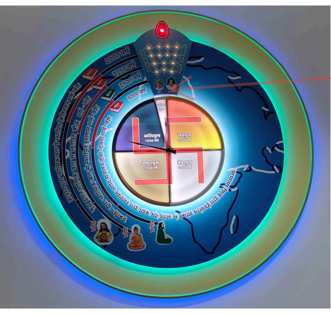

“मीठे बच्चे - अभी तुम संगम पर हो, तुम्हें पुरानी दुनिया से तैलुक (नाता) तोड़ देना है क्योंकि यह पुरानी दुनिया अब खत्म होनी है"

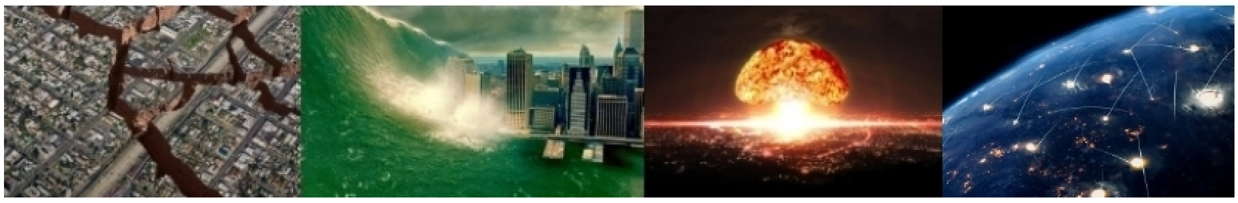

प्रश्नः-संगम की कौन-सी विशेषता सारे कल्प से न्यारी है?

उत्तर:- संगम की ही विशेषता है - पढ़ते यहाँ हो, प्रालब्ध भविष्य में पाते हो। सारे कल्प में ऐसी पढ़ाई नहीं पढ़ाई जाती जिसकी प्रालब्ध दूसरे जन्म में मिले। अभी तुम बच्चे मृत्युलोक में पढ़ रहे हो अमरलोक के लिए। और कोई दूसरे जन्म के लिए पढ़ता नहीं।

गीत:-दूर देश का रहने वाला........ Click

ओम् शान्ति। दूर देश का रहने वाला कौन? यह तो कोई भी जानते नहीं। क्या उनको अपना देश नहीं है जो पराये देश में आये हैं? वह अपने देश में नहीं आते हैं। यह रावण राज्य पराया देश है ना। क्या

शिवबाबा अपने देश में नहीं आते हैं? अच्छा, रावण का परदेश कौन-सा है? और देश कौन-सा है? शिवबाबा का अपना देश कौन-सा है, पराया देश कौन-सा है? फिर बाप आते हैं पराये देश में, तो उनका देश कौन-सा है? अपने देश की स्थापना करने आते हैं लेकिन क्या वह अपने देश में खुद आते हैं? (एक-दो ने सुनाया) अच्छा, इस पर सब विचार सागर मंथन करना। यह बहुत समझने की बात है। रावण का पराया देश बताना बहुत सहज है। राम राज्य में कभी रावण आता नहीं। बाप को रावण के देश में आना पड़ता है क्योंकि रावण राज्य को चेन्ज करना होता है। यह है संगमयुग। वह सतयुग में भी नहीं आते, कलियुग में भी नहीं आते। संगमयुग पर आते हैं। तो यह राम का भी देश है, रावण का भी देश है। इस किनारे राम का, उस किनारे रावण का है। संगम है ना। अभी तुम बच्चे संगम पर हो। न इस तरफ, न उस तरफ हो। अपने को संगम पर समझना चाहिए। हमारा उस तरफ तैलुक नहीं है। बुद्धि से पुरानी दुनिया से तैलुक तोड़ना पड़ता है। रहते तो यहाँ ही हैं। परन्तु

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

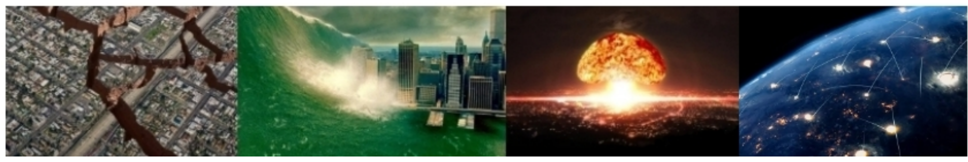

बुद्धि से जानते हैं यह पुरानी दुनिया ही खत्म होनी है। आत्मा कहती है अभी मैं संगम पर हूँ। बाप आया हुआ है, उनको खिवैया भी कहते हैं। अभी हम जा रहे हैं। कैसे? योग से। योग के लिए भी ज्ञान है। ज्ञान के लिए भी ज्ञान है। योग के लिए समझाया जाता है अपने को आत्मा समझो फिर बाप को याद करो। यह भी ज्ञान है ना। ज्ञान अर्थात् समझानी। बाप मत देने आये हैं। कहते हैं अपने को आत्मा समझो। आत्मा ही 84 जन्म लेती है। बाप बच्चों को ही विस्तार से बैठ समझाते हैं। अभी यह रावण राज्य खत्म होना है। यहाँ है कर्म-बन्धन, वहाँ हैं कर्म-सम्बन्ध। बन्धन दु:ख का नाम है। सम्बन्ध सुख का नाम है। अब कर्म-बन्धन को तोड़ना है। बुद्धि में है हम इस समय ब्राह्मण सम्बन्ध में हैं फिर दैवी सम्बन्ध में जायेंगे। ब्राह्मण सम्बन्ध का यह एक ही जन्म है। फिर 8 और 12 जन्म दैवी सम्बन्ध में होंगे। यह ज्ञान बुद्धि में है इसलिए कलियुगी छी-छी कर्मबन्धन से जैसे ग्लानि करते हैं। इस दुनिया के कर्मबन्धन में अभी रहना नहीं है। बुद्धि मिलती है - यह सब हैं आसुरी

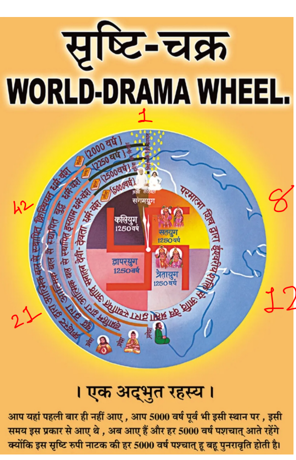

कर्मबन्धन। हम भी गुप्त एक यात्रा पर हैं। यह बाप ने यात्रा सिखलाई है फिर इस कर्म-बन्धन से न्यारे हो हम कर्मातीत हो जायेंगे। यह कर्म-बन्धन अब टूटना ही है। हम बाप को याद करते हैं कि पवित्र बन चक्र को समझ चक्रवर्ती राजा बनें। पढ़ रहे हैं फिर उनका एम ऑब्जेक्ट, प्रालब्ध भी चाहिए ना। तुम जानते हो हमको पढ़ाने वाला बेहद का बाप है। बेहद के बाप ने हमको 5 हज़ार वर्ष पहले पढ़ाया था। यह ड्रामा है ना। जिनको कल्प पहले पढ़ाया था उनको ही पढ़ायेंगे। आते रहेंगे, वृद्धि को पाते रहेंगे। सब तो सतयुग में नहीं आयेंगे। बाकी सब जायेंगे वापिस घर। इस पार है नर्क, उस पार है स्वर्ग। उस पढ़ाई में तो समझते हैं हम यहाँ पढ़ते हैं, फिर प्रालब्ध भी यहाँ पायेंगे। यहाँ हम पढ़ते हैं संगमयुग पर, इनकी प्रालब्ध हमको नई दुनिया में मिलेगी। यह है नई बात। दुनिया में ऐसे कोई नहीं कहेंगे कि तुमको इसकी प्रालब्ध दूसरे जन्म में मिलेगी। इस जन्म में अगले जन्मों की प्रालब्ध पाना - यह सिर्फ इस संगमयुग पर ही होता है। बाप भी आते ही संगमयुग पर हैं। तुम पढ़ते हो

It's as certain as death

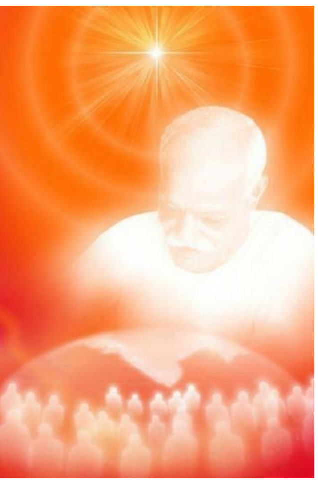

पुरुषोत्तम बनने के लिए। एक ही बार भगवान ज्ञान सागर आकर पढ़ाते हैं नई दुनिया अमरपुरी के लिए। यह तो है कलियुग, मृत्युलोक। हम पढ़ते हैं सतयुग के लिए। नर्कवासी से स्वर्गवासी होने के लिए। यह है पराया देश, वह है अपना देश। उस अपने देश में बाप को आने की दरकार नहीं है। वह देश बच्चों के लिए ही है, वहाँ सतयुग में रावण का आना नहीं होता है, रावण गुम हो जाता है। फिर आयेगा द्वापर में। तो बाप भी गुम हो जाता है। सतयुग में कोई भी उनको जानते नहीं। तो याद भी क्यों करेंगे। सुख की प्रालब्ध पूरी होती है तो फिर रावण राज्य शुरू होता है, इनको पराया देश कहा जाता है।

Refer Last Page

Submerge in the love of Shivbaba

Click

feel it....

अभी तुम समझते हो हम संगमयुग पर हैं, हमको रास्ता दिखलाने वाला बाप मिला है। बाकी सब धक्के खाते रहते हैं। जो बहुत थके हुए होंगे, जिन्होंने कल्प पहले रास्ता लिया होगा, वह आते रहेंगे। तुम पण्डे सबको रास्ता बताते हो, यह है रूहानी यात्रा का रास्ता। सीधा चले जायेंगे

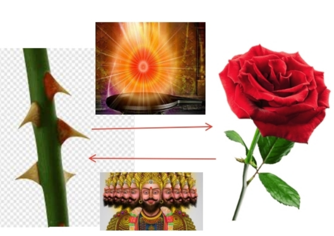

सुखधाम। तुम पण्डे पाण्डव सम्प्रदाय हो। पाण्डव राज्य नहीं कहेंगे। राज्य न पाण्डवों को, न कौरवों को है। दोनों को ताज नहीं है। भक्ति मार्ग में दोनों को ताज दे दिया है। अगर दें भी तो कौरवों को लाइट का ताज नहीं देंगे। पाण्डवों को भी लाइट नहीं दे सकते क्योंकि पुरुषार्थी हैं। चलते-चलते गिर पड़ते हैं तब किसको देवें इसलिए यह सब निशानी विष्णु को दी हैं क्योंकि वह पवित्र हैं। सतयुग में सब पवित्र सम्पूर्ण निर्विकारी होते हैं। पवित्रता की लाइट का ताज है। इस समय तो कोई पवित्र नहीं हैं। सन्यासी लोग कहलाते हैं कि हम पवित्र हैं। परन्तु दुनिया तो पवित्र नहीं है ना। जन्म फिर भी विकारी दुनिया में ही लेते हैं। यह है रावण की पतित पुरी। पावन राज्य सतयुग नई दुनिया को कहा जाता है। अब तुम बच्चों को बाप बागवान कांटों से फूल बनाते हैं। वह पतित-पावन भी है, खिवैया भी है, बागवान भी है। बागवान आये हैं कांटों के जंगल में, तुम्हारा कमान्डर तो एक ही है। यादवों का कमान्डर चीफ शंकर को कहें? यूँ तो वह कोई विनाश कराते नहीं हैं। जब समय होता है

तो लड़ाई लगती है। कहते हैं शंकर की प्रेरणा से मूसल आदि बनते हैं। यह सब कहानियाँ बैठ बनाई हैं। पुरानी दुनिया खत्म तो जरूर होनी है। मकान पुराना होता है तो गिर पड़ता है। मनुष्य मर जाते हैं। यह भी पुरानी दुनिया खत्म होनी है। यह सब दबकर मर जायेंगे, कोई डूब मरेंगे। कोई शॉक में मरेंगे। बॉम्ब्स आदि की जहरीली वायु भी मार डालेगी। बच्चों की बुद्धि में है कि अभी विनाश होना ही है। हम उस पार जा रहे हैं। कलियुग पूरा हो सतयुग की स्थापना जरूर होनी है। फिर आधाकल्प लड़ाई होती ही नहीं।

ये पक्का समझ लो... It is 2025 (89 years gone)

अब तो जागो...

Example:-

Award-Winning Bodybuilder, 28, Dies From Cardiac Arrest During Gym Workout

Brazilian bodybuilder Jose Mateus Correia Silva, 28, collapsed during a gym workout and died despite resuscitation attempts.

Edited by: Nikhil Pandey | World News | Nov 29, 2024 11:06 am IST

Read Time: 2 mins

Share

X.com

Jose Mateus Correia Silva's sudden death has left the community grieving.

Jose Mateus Correia Silva, a 28-year-old Brazilian bodybuilder and fitness entrepreneur, died while working out at a gym in Aguas Claras, Brasilia, according to *The New York Post*. Jose was well-respected in the fitness community and well-known for competing in bodybuilding events, such as the South American Championships. Jose had a massive heart attack and abruptly collapsed while working out with his friends in the gym.

m...imp

अभी बाप आये हैं पुरुषार्थ कराने, यह लास्ट चांस है। देरी की तो फिर अचानक ही मर जायेंगे। मौत सामने खड़ा है। अचानक बैठे-बैठे मनुष्य मर जाते हैं। मरने के पहले तो याद की यात्रा करो। अभी तुम बच्चों को घर जाना है इसलिए बाप कहते हैं - बच्चे, घर को याद करो, इससे अन्त मती सो गति हो जायेगी, घर चले जायेंगे। परन्तु सिर्फ घर को याद करेंगे तो पाप विनाश नहीं होंगे। बाप को याद

Mind very Well

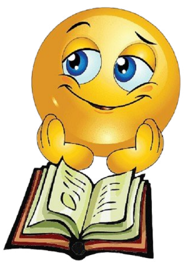

करेंगे तो पाप विनाश हो और तुम अपने घर चले जायेंगे इसलिए बाप को याद करते रहो। अपना चार्ट रखो तो मालूम पड़ेगा, सारे दिन में हमने क्या किया? 5-6 वर्ष की आयु से लेकर अपनी लाइफ में क्या-क्या किया.......... वह भी याद रहता है।

Mind well

ऐसे भी नहीं, सारा टाइम लिखना पड़ता है। ध्यान में रहता है - बगीचे में बैठ बाबा को याद किया, दुकान पर कोई ग्राहक नहीं है हम याद में बैठे रहे। अन्दर में नोट रहेगा। अगर लिखने चाहते हो तो फिर डायरी रखनी पड़े। मूल बात है ही यह। हम तमोप्रधान से सतोप्रधान कैसे बनें! पवित्र दुनिया के मालिक कैसे बनें! पतित से पावन कैसे बनें! बाप आकर यह नॉलेज देते हैं। ज्ञान का सागर बाप ही है। तुम अभी कहते हो बाबा हम आपके हैं। सदैव आपके ही हैं, सिर्फ भूलकर देह-अभिमानी हो गये हैं। अभी आपने बताया है तो हम फिर देही-अभिमानी बनते हैं। सतयुग में हम देही-अभिमानी थे। खुशी से एक शरीर छोड़ दूसरा लेते थे तो तुम बच्चों को यह सब धारणा कर फिर समझाने लायक बनना है, तो बहुतों का कल्याण

उड़ - उड़ान

ये सदैव याद रहे...

होगा। बाबा जानते हैं ड्रामा अनुसार नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार सर्विसएबुल बन रहे हैं। अच्छा, किसको झाड़ आदि नहीं समझा सकते हो, भला यह तो सहज है ना - किसको भी बोलो तुम अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। यह तो बिल्कुल सहज है। यह बाप ही कहते हैं मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे और कोई मनुष्य कह न सके सिवाए तुम ब्राह्मणों के। और कोई न आत्मा को, न परमात्मा बाप को जानते हैं। ऐसे ही सिर्फ कह देंगे तो किसको तीर लगेगा नहीं। भगवान का रूप जानना पड़े। यह सब नाटक के एक्टर्स हैं। हर एक आत्मा शरीर के साथ एक्ट करती है। एक शरीर छोड़ दूसरा ले फिर पार्ट बजाती है। वह एक्टर्स कपड़े बदली कर भिन्न-भिन्न पार्ट बजाते हैं। तुम फिर शरीर बदलते हो। वो कोई मेल वा फीमेल की ड्रेस पहनेंगे अल्पकाल के लिए। यहाँ मेल का चोला लिया तो सारी आयु मेल ही रहेंगे। वह हद के ड्रामा, यह है बेहद का। पहली-पहली मुख्य बात है बाप कहते हैं मुझे याद करो। योग अक्षर भी काम में नहीं लाओ क्योंकि योग तो

How great we all are...!

Mind it..!

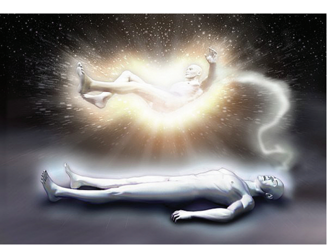

Understand the contrast

अनेक प्रकार के सीखते हैं। वह सब हैं भक्ति मार्ग के। अब बाप कहते हैं मुझे याद करो और घर को याद करो तो तुम घर में चले जायेंगे। शिवबाबा इनमें आकर शिक्षा देते हैं। बाप को याद करते-करते तुम पावन बन जायेंगे फिर पवित्र आत्मा उड़ेगी। जितना-जितना याद किया होगा, सर्विस की होगी उतना वह ऊंच पद पायेंगे। याद में ही बहुत विघ्न पड़ते हैं। पावन नहीं बनेंगे तो फिर धर्मराज पुरी में सजायें भी खानी पड़ेगी। इज्जत भी जायेगी, पद भी भ्रष्ट होगा। पिछाड़ी में सब साक्षात्कार होंगे। परन्तु कुछ कर नहीं सकेंगे। साक्षात्कार करायेंगे तुमको इतना समझाया फिर भी याद नहीं किया, पाप रह गये। अब खाओ सज़ा। उस समय पढ़ाई का टाइम नहीं रहता। अफसोस करेंगे हमने क्या किया! नाहेक टाइम गँवाया। परन्तु सज़ा तो खानी पड़े। कुछ हो थोड़ेही सकेगा। नापास हुए तो हुए। फिर पढ़ने की बात नहीं। उस पढ़ाई में तो नापास हो फिर पढ़ते हैं, यह तो पढ़ाई ही पूरी हो जायेगी। अन्त समय में पश्चाताप् न करना पड़े उसके लिए बाप राय देते हैं

very Point to ponder deeply

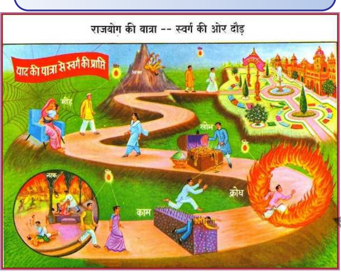

राम दुआरे तुम रखवारे होत न आज्ञा बिनु पैसारे |

Please, Don't take it easy..

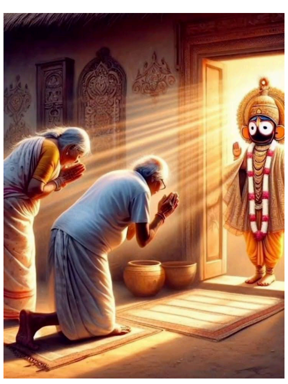

It is 2025

अब तो जागो...

भविष्य मालिका पुराण

2032 से सत्य युग की शुरुआत...

कल्प कल्पांतर के लिए...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

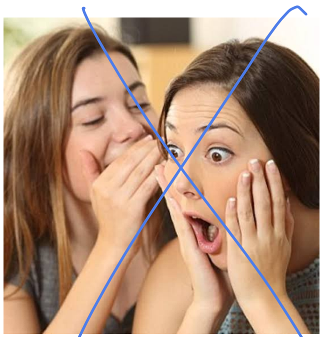

- बच्चे, अच्छी रीति पढ़ लो। झरमुई-झगमुई में अपना टाइम वेस्ट मत करो। नहीं तो बहुत पछताना पड़ेगा। माया बहुत उल्टे काम करा देती है। चोरी कभी नहीं की होगी, वह भी करायेगी। पीछे स्मृति आयेगी हमको तो माया ने धोखा दे दिया। पहले दिल में ख्याल आता है, फलानी चीज़ उठाऊं। बुद्धि तो मिली है, यह राइट है वा रांग है। यह चीज़ उठाऊं तो रांग होगा, नहीं उठायेंगे तो राइट होगा। अब क्या करना है? पवित्र रहना तो अच्छा है ना। संग में आकर लूज़ नहीं होना चाहिए। हम भाई-बहन हैं फिर नाम-रूप में क्यों फँसें। देह-अभिमान में नहीं आना है। परन्तु माया बड़ी जबरदस्त है। माया रांग काम कराने के संकल्प लाती है। बाप कहते हैं तुमको रांग काम करना नहीं है। लड़ाई चलती है फिर गिर पड़ते हैं, फिर राइट बुद्धि आती ही नहीं। हमको राइट काम करना है। अन्धों की लाठी बनना है। अच्छे ते अच्छा काम है यह। शरीर निर्वाह के लिए समय तो है। रात को नींद भी करनी है। आत्मा थक जाती है तो फिर सो जाती है। शरीर भी सो जाता है। तो

अंधे की लाठी

Most imp

Else Health will effected

शरीर निर्वाह के लिए, आराम करने के लिए टाइम तो है। बाकी समय मेरी सर्विस में लग जाओ। याद का चार्ट रखो। लिखते भी हैं फिर चलते-चलते फेल हो जाते हैं। बाप को याद नहीं करते, सर्विस नहीं करते तो रांग काम होता रहता है। अच्छा।

समझा?

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1) झरमुई झगमुई में अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है। माया कोई भी उल्टा काम न कराये, यह ध्यान रखना है। संग-दोष में आकर कभी लूज़ नहीं होना है। देह-अभिमान में आकर किसी के नाम-रूप में नहीं फँसना है।

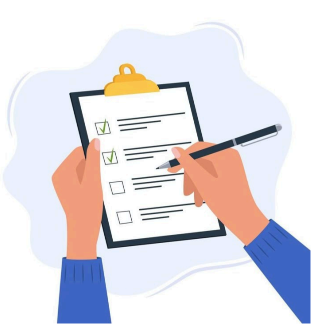

2) घर की याद के साथ-साथ बाप को भी याद करना है। याद के चार्ट की डायरी बनानी है। नोट करना है - हमने सारे दिन में क्या-क्या किया? कितना समय बाप की याद में रहे?

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Method/Process/Instrument   Outcome/Output/Result

14-05-2025 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान:- नम्रता रूपी कवच द्वारा व्यर्थ के रावण को जलाने वाले सच्चे स्नेही, सहयोगी भव

Finale Achievement

कोई कितना भी आपके संगठन में कमी ढूंढने की कोशिश करे लेकिन जरा भी संस्कार-स्वभाव का टक्कर दिखाई न दे।

Not even a slight

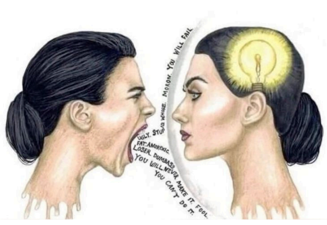

अगर कोई गाली भी दे, इनसल्ट भी करे, आप सेन्ट बन जाओ।

अगर कोई रांग भी करता तो आप राइट रहो।

कोई टक्कर लेता है तो भी आप उसे स्नेह का पानी दो।

यह क्यों, ऐसा क्यों-यह संकल्प करके आग पर तेल नहीं डालो।

नम्रता का कवच पहनकर रहो। जहाँ नम्रता होगी वहाँ स्नेह और सहयोग भी अवश्य होगा।

जग में बैरी कोई नहीं,
जो मन शीतल होय |
यह आपा तो डाल दे,
दया करे सब कोए ||
अर्थ : आपके मन में यदि शीतलता है, अर्थात दया और सहानुभूति है, तो संसार में आपकी किसी से शत्रुता नहीं हो सकती। इसलिए अपने अहंकार को निकाल बाहर करें, और आप अपने प्रति दूसरों में भी समवेदना पाएंगे।

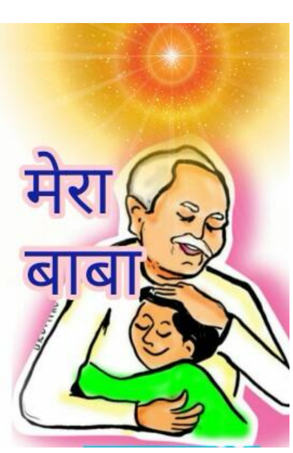

स्लोगन:- मेरेपन की अनेक हद की भावनायें एक "मेरे बाबा" में समा दो।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

अव्यक्त इशारे - रूहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

रूहानी रॉयल्टी का फाउण्डेशन सम्पूर्ण पवित्रता है।

तो अपने से पूछो कि रूहानी रॉयल्टी की झलक और फलक आपके रूप वा चरित्र से हर एक को अनुभव होती है?

नॉलेज के दर्पण में अपने को देखो कि मेरे चेहरे पर, चलन में वह रूहानी रॉयल्टी दिखाई देती है या साधारण चलन और चेहरा दिखाई देता है?

12/05/2025 की मुरली के अंत मे "final Paper" बुक से जो अव्यक्त बापदादा के महावाक्य रखे थे उनको revise करने के लिए आप इस video को देख व सुन सकते है। इसको चलते-फिरते भी सुन सकते है।

Click

Revision is the key to inculcation/Reinforce in the mind...

Avyakt vani date: 14/10/2015

देखो यह समय कितना वैल्युबुल है, जो पहचान रहे हैं कि हमको राज्य भाग्य मिल रहा है। हम हैं क्या और क्या बनने वाले हैं! नशा है, खुशी है, हम ही थे और हम ही हो रहे हैं। खुशी है! है खुशी तो हाथ उठाओ। हाँ देखो कितनी खुशी है क्योंकि हमारा युग आने वाला है। देखो, यहाँ सब मातायें दिखाई देती हैं। मातायें खुश कितनी हो रही हैं, वाह हमारा युग आ गया, हमारा युग आ गया। अकेली आप भी नहीं होंगी, युगल होंगे। राज्य करेंगे ना! तो राज्य अकेला थोड़ेही करेंगे। राज्य में तो दोनों ही होंगे ना। तो खुशी होती है हमारा राज्य आ गया। बाप आया ही है राज्य देने के लिए। और सबको कितनी खुशी है! अब अपना राज्य होगा। हमारा राज्य। नशा कितना है! और राज्य की खुशी कितनी है! हमारा राज्य आया कि आया। कितनी खुशी है! बताओ। कैसे बतायेंगे। ताली बजाओ। तालियों का आवाज देखो क्या है! वाह! और सबकी शक्लें देखो, इतनी मुस्करा रही हैं, हमारा राज्य आ गया। खुशी है ना सभी को! तभी तो तालियां बजाई। अभी तो दु:खी होना या रोना उसकी जरूरत ही नहीं है, खुशी के दिन आ गये, हमारा राज्य आ गया, हमारा राज्य... नशा कितना है! दूसरे के राज्य में बहुत टाइम रहे अभी हमारा राज्य, खुशी है ना! भाईयों को खुशी है! बहनों को है? देखो, चारों ओर खुशी देख करके कितना अच्छा लग रहा है। कोई के दिल में दु:ख की लहर नहीं, खुश और बापदादा भी आप सभी को इस खुशी की बहुत-बहुत-बहुत बधाई दे रहे हैं।

दादी जानकी जी बापदादा से गले मिली:- सभी सोच रहे हैं हम भी मिलें। लेकिन बाबा के हृदय में सब समाये हुए हो। एक एक एक बाबा के दिल में समाया हुआ है।

कि अपने को कैसे छुड़ाओ। बाप कहते हैं मैं अपना कार्य कर तुमको

राज्य-भाग्य दे फिर मैं गुम हो जाऊंगा। तुम सुखी बन जायेंगे। तुम

तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं। यहाँ भी

Click

Click

पिछाड़ी में बहुत रोयेंगे। (प्रेम के आँसु)

Blue= धारणा, Green = सेवा

6

30/12/2022 (murli date)

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।

14 अक्तूबर 2015, को जब अव्यक्त बापदादा आये थे और उन्होंने मुरली में कहा की हमारा राज्य आ गया...
अभी उस मुरली को भी 8 साल से ज्यादा हो गए है...
तो इसका मतलब यह होता हैं की बाबा की प्रत्यक्षता को अभी ज्यादा समय नहीं रहा और साथ ही सतयुग आने को भी ज्यादा समय नहीं रहा।
ये सुन कर सभी को अवश्य ही ख़ुशी होती होंगी।

परंतु क्या साथ में कभी ये भी सोचा है की मीठे,प्यारे बाबा से बिछड़ने का समय भी समीप आ रहा हैं।

जैसे छोटे बच्चे को पहली बार स्कूल में भेजते हैं तब वो अपनी प्यारी माँ से बिछड़ने पर कितना न रोता हैं। आप सब को ये अनुभव तो अवश्य ही याद होंगा।

बाबा ने 30/12/2022 की साकार मुरली में कहा था कि "पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रोते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं।"

तो आज का यह गीत मेरी शिव माँ को समर्पित हैं, जब मैं सतयुग में जाने समय उनसे बिछड़ रहा होऊंगा तब आँखों में प्यार के आँसुओ का समंदर लिए उनके आँचल से लिपटकर उनको, उनसे दूर न भेजने की बिनती कर रहा होऊंगा।
क्योंकि बिछड़ने के बाद 5 पल, 5 मिनट,5 घंटे,5 दीन, 5 महीने या 5 साल नहीं अपितु 5000 वर्षो की लंबी जुदाई सहन करनी पड़ेंगी।

क्योंकि जिससे एक पल की भी दूरी किसी सजा से कम न हो वहाँ 5000 साल...?😭😭😭😭😭

Movie: तारे जमीं पर... (2007)

Click ← link of the song

======∞========

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa

(मेरी प्यारी माँ,
आप संगम पर सदैव मेरे साथ हो तो माया की चालबाजी या ड्रामा की विनाश जैसी विकराल सीन से भी रिंचक मात्र डर नहीं हैं,
परंतु आपको एक बात बताऊ ...?
की द्वापर से आने वाले मायावी अँधेरे से मुझे अवश्य ही डर लगता हैं क्योंकि वहाँ आप मेरे साथ नहीं होती।

in short, आपके बिना मैं माया के सामने कुछ भी नहीं।)

Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa

(शायद मैं आपको अपना प्यार जताने में असमर्थ रहा हूँ,
परंतु आपसे बेपनाह प्यार होने कारन मुझे आपसे दूर न हो जाऊं उसकी परवाह जबसे आप मुझे इस कल्प के संगम पर मिले हो तब से ही हैं और जब भी मन में ये संकल्प मात्र भी आता था की 'कहां मिलेगा बाबा ऐसा सतयुग में तेरा प्यार' और आंखों से अश्रुओ की बौछार हो जाती थी
और ये क्या.... आज तो वो ही दिन आ ही गया है जब की मैं आपसे दूर होने जा रहा हूं।)

Tujhe sab hain pata, hai na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

(चूँ की आप मेरी माँ हो, तो आप मेरी यह मन: स्थिति को तो भली भांति जानती हो ना?)

Bheed mein yun na chhodo mujhe
Ghar laut ke bhi aa naa paaoon maa

(इस बेहद के ड्रामा के इतने सारे actors की भीड़ में मुझे न छोड़िये,
【भले ही उन सब actors पर मुझे राज्य ही क्यों न करना हो अर्थात विश्व महाराजन का श्रेष्ठ पद ही क्यों न हो?
- वो भी नहीं चाहिए मुझे।】

जिससे की मैं वापिस आपके पास अपने सच्चे घर शान्तिधाम में आ भी ना सकूँ।)

Bhej na itna door mujkko tu
Yaad bhi tujhko aa naa paaoon maa

(हमे यह भी मालूम हैं की आप भी हमसे बेइंतेहा प्यार करती हो,
तो ओ मेरी प्यारी माँ, मेरी मीठी माँ, मेरे प्राण आप मुझे इतना तो दूर न भेजो की आपको मैं याद भी न आऊँ।)

Kya itna bura hoon main maa
Kya itna bura meri maa

(या फिर एक बात बताईये,
क्या मैं इतना तो बुरा नही हूँ जो आप मुझे अपनेसे इतने लंबे समय के लिए इतना दूर भेज रही हो?)

Click

25/03/2025

(1) बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? **ड्रामा है** फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? (2) **शिवबाबा**। और फिर (3) **रावण**। आधाकल्प है **राम राज्य**, आधाकल्प है **रावण राज्य**। घड़ी-घड़ी बाप

$$$$$$$$$$$

Jab bhi kabhi papa mujhe
Jo zor se jhoola jhulate hain maa ....

(द्वापर युग से ड्रामा[पापा] अनुसार जब भी कोइ difficult परिस्थितियां आई हैं तब....)

समझ:-
शिवबाबा ने कहा है की मुझसे ऊपर ड्रामा है और मैं भी drama के बंधनमें बांधा हुआ हूँ।

तो इसका एक मतलब ये भी निकल सकता है की शिवबाबा मेरे लिए साजन/माता/पिता/बच्चा/ दोस्त ... in short सबकुछ है और ड्रामा हुआ मेरे लिए खुदा।
तो यहाँ इस पंक्ति को यूं समझो की शिवबाबा है माँ (ममता से परिपूर्ण) जो हमेशा मेरे अच्छे या बुरे सभी कर्मो में या किसी भी परिस्थिति में मुझे सपोर्ट करती है साथ ही मेरी कमी कमजोरियों को दर किनार कर मुझको हर हमेशा प्यार देती है
और ड्रामा है पिता(कर्म रूपी नियम ही सब कुछ) जो मुझे अपने विकर्मो अनुसार विकट/Difficult परिस्थिति में भी भेजते है...।

Meri nazar dhoondhe tujhe
Sochu yahi tu aa ke thaamegi maa
(चूँ की मेरे संगमयुगी संस्कार हैं की जैसे ही छोटी सी भी परिस्थिति आई तो मैंने दिल से सिर्फ संकल्प किया की "मेरा बाबा, मेरा साथी आ जाओ मदद करो" और आप उसी क्षण तुरंत हाज़िर हो कर मुझे अपनी बाहों में समा कर किसी भी विकट/difficult परिस्थितियों से सहज ही पार करा देते हो, जैसे की मक्खन से बाल।

तो द्वापर/कलियुग में भी परिस्थिति आने पर तुरंत ही मेरे बुद्धि रूपी नेत्र आपको दूर दूर तक ढूंढने लगते और सोचता हूँ की अभी- अभी आप मेरी प्यारी माँ आकर के मुझे अपनी बाहों में अपने प्यार के आँचल में भर लेंगी।

किन्तु......
आपके आने का पार्ट तो संगम पर होने के कारन आप आती नहीं हो....,)

Unse main yeh kehta nahin
Par main seham jaata hoon maa
Chehre pe aana deta nahin
Dil hi dil mein ghabraata hoon maa
(और फिर आपके न आने पर किसी को कुछ भी बताये बीना मैं स्तब्ध होके अकेला सहम सा जाता हूँ।

परंतु फिर भी आपका महावीर बच्चा होने के कारन भल दिल ही दिल में तो बहुत घबराहट होती हैं किन्तु उस घभराहट की effect अपने चेहरे पर आने नहीं देता।)

Tujhe sab hai pata hai naa maa
Tujhe sab hai pata meri maa
(तो ओ मेरी मीठी माँ, ओ मेरी प्यारी माँ, ओ मेरी प्राण माँ
आपको ये सब तो पता ही है ना...?
तो बस एक ही प्यार भरी गुजारिश है कि please...🙏🙏🙏 आप मुझे अपने से इतना दूर मत भेजिए।)

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa
Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa
Tujhe sab hain pata, hain na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

यहां हम आपके लिए एक हॉलीवुड मूवी नार्निया/Narnia का 4 मिनट का Ending Scene रख रहे हैं जिसमें दर्शाया गया है कि लायन (जो की हमारे प्यारे शिव बाबा है) वह हम बच्चों को राज्य - भाग्य दे रहे हैं और राज्य भाग्य देने के बाद वह हमसे बिछड़ कर चले जाएंगे।

Click

Heart Breaking Lines...
"मैं गुम हो जाऊंगा।"

कि अपने को कैसे छुड़ाओ। बाप कहते हैं मैं अपना कार्य कर तुमको राज्य-भाग्य दे फिर मैं गुम हो जाऊंगा। तुम सुखी बन जायेंगे। तुम

Click

तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं। यहाँ भी

Click

पिछाड़ी में बहुत रोयेंगे। (प्रेम के आँसु)

Blue= धारणा, Green = सेवा

6

30|12|2022 (murli date)

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।

बाकी थोड़ा टाइम है। अब चलना है। एक तरफ

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue= धारणा, Green = सेवा

9

your Attention please...!

Click

25-10-2024 प्रात:मुरली दा" न

खुशी होती है दूसरे तरफ फिर फील भी होता है। अरे, ऐसा मीठा बाबा हम फिर कल्प बाद देखेंगे। बाप ही बच्चों को इतना सुख देते हैं ना। बाप आते

चोला छोड़ना है, इनमें क्या ममत्व रखना है। शरीर होते शरीर में कोई ममत्व नहीं होना चाहिए। अन्दर में यही तात रहे - अब हम आत्मायें पावन बनकर अपने घर जायें। फिर यह भी दिल होती है - ऐसे बाबा को कैसे छोड़े? ऐसा बाबा तो फिर कभी मिलेगा नहीं। तो ऐसे-ऐसे ख्याल करने से बाप भी याद आयेगा, घर भी याद आयेगा। अब हम घर

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue= धारणा, Green = सेवा

8

ick

04-11-2024 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

जाते हैं। 84 जन्म पूरे हुए। भल दिन में अपना धंधा आदि करो। गृहस्थ व्यवहार में तो रहना ही